दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 69 मुरादाबाद, 28 June 2023 (Wednesday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मोदी बोले- वोटबैंक की राजनीति ने पसमांदा मुसलमानों को तबाह कर दिया, नहीं मिलती बराबरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के जरिये देश के हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वोटबैंक की राजनीति करने वालों ने पसमांदा मुसलमानों को तबाह कर दिया है। उनके ही एक वर्ग ने पसमांदा मुसलमानों का शोषण किया है। इस पर कभी चर्चा नहीं हुई। आज भी उन्हें बराबरी का हक नहीं मिलता। उन्हें नीचा और अछूत समझा जाता है। यह सब पिछड़े हैं। इनके साथ इतना भेदभाव हुआ है। हमने सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ इनका भी विकास किया है। भाजपा कार्यकर्ता मुसलमानों के पास जाएं और तर्कों और तथ्यों के साथ उन्हें समझाएं, तब उनका भ्रम दूर होगा। यूनीफॉर्म सिविल कोड को लेकर उन्हें भ्रमित किया जा रहा है। इसे लेकर भी उन्हें हकीकत बतानी होगी। भाजपा के मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कुछ लोग सिर्फ अपने दल के लिए जीते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें भ्रष्टाचार का, कमीशन का, मलाई खाने का, कट मनी का, हिस्सा मिलता है। उनका रास्ता तुष्टिकरण, वोटबैंक का है। गरीब को गरीब बनाए रखने, वंचित को वंचित बनाए रखने से ही उनकी राजनीति चलती है। तुष्टिकरण का यह रास्ता कुछ दिनों तक फायदा दे सकता है, लेकिन यह देश के लिए महाविनाशक होता है। यह देश के विकास को रोक देता है। देश में तबाही लाता है। भेदभाव पैदा करता है। समाज में दीवार खड़ी करता है। एक तरफ इस तरह के लोग हैं, जो तुष्टिकरण कर अपने स्वार्थ के लिए छोटे-छोटे कुनबे दूसरों के खिलाफ खड़े कर देते हैं। दूसरी तरफ हम भाजपा के लोग हैं। हमारे संस्कार अलग हैं। हमारे संकल्प बड़े हैं। हमारी प्राथमिकता दल से पहले देश की है। हम यह सब मानते हैं कि जब देश का भला होगा तो सबका भला होगा। सबका भला होगा तो देश आगे बढ़ेगा। इस वजह से भाजपा ने यह तय किया है कि हमें तुष्टिकरण के रास्ते पर नहीं चलना है। हमें संतुष्टिकरण के रास्ते पर चलना है।

विपक्षी एकजुटता यानी 20 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार की गारंटी है

विपक्ष की एकजुटता पर मोदी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2024 में भाजपा की प्रचंड विजयी तय है। इस वजह से सभी विपक्षी बौखलाए हुए हैं। इस वजह से उन्होंने तय किया है कि चुनाव से कुछ महीने पहले किसी भी तरीके से जनता को गुमराह करके कुछ लोगों को बरगलाकर, झूठे आरोप लगाकर, सत्ता हासिल की जाए। नया शब्द पापुलर हो रहा है गारंटी। कुछ दिन पहले विपक्ष के नेताओं का एक फोटो ऑप कार्यक्रम हुआ था। इस बैठक में शामिल दलों के इतिहास को देखेंगे तो पता चलेगा कि वह सब मिलकर कम से कम 20 लाख करोड़ रुपये के घोटालों की गारंटी है। कांग्रेस का घोटाला अकेले ही लाखों करोड़ों का है। 1.86 लाख करोड़ रुपये का कोयला घोटाला, 1.76 लाख करोड़ रुपये का 2जी घोटाला, 70 हजार करोड़ रुपये का कॉमनवेल्थ घोटाला शामिल है। 10 हजार करोड़ रुपये का मनरेगा घोटाला, हेलीकॉप्टर से सबमरीन तक कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जो हाथ का शिकार न हुआ हो। आरजेडी पर हजारों करोड़ के घोटाले का आरोप है। चारा घोटाला, अलकतरा घोटाला, पशु पालन शेड घोटाला, बाढ़ राहत घोटाला, आरजेडी के घोटालों की इतनी लंबी सूची है कि अदालतें भी थक गई। एक के बाद एक सजा सुना रही है। तमिलनाडु में डीएमके पर अवैध तरीके से सवा लाख करोड़ रुपये की संपत्ति बनने का आरोप है। टीएमसी पर 23 हजार करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप हैं। रोजवैली, सारदा, शिक्षक भर्ती, गोतस्करी और कोयला तस्करी का घोटाला हुआ। एनसीपी पर करीब-करीब 70 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। इन पार्टियों के घोटालों का मीटर कभी डाउन नहीं होता। मैं तो कहूंगा कि बीजेपी के किसी कार्यकर्ता को कोशिश करनी चाहिए कि इन पार्टियों का घोटाला मीटर बनाने की। इनके पास घोटालों का अनुभव है तो कोई गारंटी है तो वह है घोटालों की। देश को तय करना है कि क्या यह घोटालों की गारंटी को देश

स्वीकार करेगा? मैं अगर उनकी घोटालों की गारंटी है तो मोदी की भी एक गारंटी है। हर घोटालेबाज पर कार्रवाई की गारंटी है। हर चोर-लुटेरे पर कार्रवाई की गारंटी है। जिसने गरीब को लूटा है, जिसने देश को लूटा है, उसका हिसाब तो होकर रहेगा। कानून का डंडा चल रहा है, जेल की सलाखें दिख रही हैं, तब जाकर यह जुगलबंदी हो रही है। इनका कॉमन मिनिमम प्रोग्राम भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक्शन से बचने का ही है। भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ता इस बात को गांव-गांव तक पहुंचाएंगे तो लोगों को इनकी वास्तविकता का पता चल ही जाएगा। गांव में कोई भी अपराधी जब सजा काटकर आता है तो लोग उसके पास जाते हैं और पूछते हैं कि जेल कैसी होती है! उनको खुद डर होता है! पटना से अच्छी जगह क्या हो सकती है! मैं देख रहा हूं कि कई लोग, जो जमानत पर हैं, जो घोटालों के आरोपी हैं, जो भ्रष्टाचारी हैं, ऐसे लोग उन लोगों से जाकर मिल रहे हैं, जो सजा काट रहे हैं या जेल से आ रहे हैं।

अपने बेटे-बेटी का भला करना है तो भाजपा को वोट दो

मोदी ने वंशवाद का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि आपको गांधी परिवार के बेटे-बेटी का विकास करना है तो कांग्रेस को वोट दीजिए। आपको मुलायम सिंह जी के बेटे का भला करना है तो समाजवादी पार्टी को वोट दीजिए। आप लालू परिवार के बेटे-बेटी को भला करना है तो आरजेडी को वोट दीजिए। आपको शरद पवार की बेटी का भला करना हो तो एनसीपी को वोट दीजिए। आपको अब्दुल्ला परिवार के बेटे का भला करना है तो आप नेशनल कॉन्फ्रेंस को वोट दीजिए, आपको करुणानिधि जी के बेटे-बेटियों, पोते-पोतियों का भला करना हो तो डीएमके को वोट दीजिए। आपको के. चंद्रशेखर राव की बेटी का भला करना हो तो टीआरएस को वोट दीजिए। अगर आपको अपने बेटे-बेटी, पोते-पोती का भला करना है तो भाजपा को वोट दीजिए।

मध्य प्रदेश की धरती की भूमिका महत्वपूर्ण

इससे पहले उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती की भाजपा को दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने में बहुत बड़ी भूमिका है। इस वजह से ऐसी ऊर्जावान मध्य प्रदेश की धरती पर मेरा बूथ सबसे मजबूत इस कार्यक्रम का हिस्सा बनते हुए मुझे हृदय से आनंद आ रहा है। अच्छा लग रहा है। गौरव हो रहा है। कुछ ही देर पहले मुझे देश के छह राज्यों को जोड़ने वाली पांच वंदे भारत ट्रेनों को एक साथ हरी झंडी दिखाने का अवसर भी मिला है। मैं मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र की जनता को इस आधुनिक वंदे भारत ट्रेन की कनेक्टिविटी के लिए बहुत बधाई देता हूं। मध्य प्रदेश को विशेष बधाई दूंगा। एक साथ दो वंदे भारत ट्रेनें मध्य प्रदेश के भाई-बहनों को मिली है। अभी तक यात्री भोपाल से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस के सफर का आनंद ले रहे थे। अब भोपाल से इंदौर और भोपाल से जबलपुर का सफर तेज भी होगा, आधुनिक भी होगा और सुविधा से संपन्न भी होगा।

भाजपा का कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत

भाजपा के मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आप वर्षभर अपने अपने बूथ पर व्यस्त रहते हैं। केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर देशभर में जो कार्यक्रम हो रहे हैं, उसमें आप जो मेहनत करते हैं, दिन-रात जुटे रहते हैं, उसकी जानकारियां मुझ तक लगातार पहुंच रही है। मैं जब अमेरिका और मिस्र में था, तब भी आपके प्रयासों के बारे में लगातार जानकारी मिलती रहती थी। वहां से आने के बाद सबसे पहले आप सभी से मिलना यह मेरे लिए ज्यादा सुखद है। ज्यादा आनंददायक है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत आप सभी कार्यकर्ता हैं। मोदी ने कहा कि मैं आज एक साथ बूथ पर काम करने वाले दस लाख कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहा हूं। देश का हर पोलिंग बूथ यहां आपसे जुड़ा हुआ है। शायद किसी भी राजनीतिक दल के इतिहास में ग्रासरूट लेवल पर ऑर्गेनाइज तरीके से इतना बड़ा कार्यक्रम कभी नहीं हुआ होगा, जितना बड़ा कार्यक्रम आज हो रहा है। गर्व से कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्रियों की मीटिंग होना, पार्टी के अध्यक्षों की मीटिंग होना, महासचिवों की मीटिंग होना, प्रदेश कार्यसमितियों की बैठक होना, मंडल, जिला कार्यसमितियों की बैठक होना, यह लंबे अरसे से चल रहा है। लेकिन सिर्फ और सिर्फ बूथ का नेतृत्व करने वालों का सम्मेलन इतिहास में पहली बार हो रहा है। आप सिर्फ भाजपा ही नहीं, देश के संकल्पों की सिद्धि के भी मजबूत सिपाही हैं। भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए देशहित सर्वोपरि है। दल से बड़ा देश है। जहां दल से बड़ा देश है, ऐसे कर्मठ कार्यकर्ताओं से बात करने का मेरे लिए भी एक मंगल अवसर है।

कुछ बोल ही नहीं पाए मोदी

जैसे ही मोदी ने बोलने के लिए माइक संभाला, कार्यकर्ताओं ने जोर-शोर से मोदी-मोदी के नारे लगाना शुरू कर दिए। कुछ सेकंड्स के लिए तो मोदी भी चुप हो गए। तुष्टिकरण और यूनीफॉर्म सिविल कोड से जुड़े सवाल के जवाब में मोदी ने जब कार्यकर्ताओं को संतुष्ट किया
तो कार्यकर्ताओं ने खड़े होकर उनका सम्मान किया। इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने विदेश दौरे पर मोदी को जिस तरह का रिस्पॉन्स विश्व के नेताओं ने दिया, उसका खास तौर पर जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दुनिया को योग, ज्ञान, विज्ञान, पर्यावरण, अध्यात्म, वसुधैव कुटुंबकम और विश्व कल्याण का संदेश दिया है। आज भाजपा का काम देश का काम बन गया है।

करोड़ों कार्यकर्ता जुड़े डिजिटल रूप से

भाजपा संगठन की सबसे छोटी इकाई बूथ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरा बूथ, सबसे मजबूत अभियान के तहत देशभर के करोड़ों कार्यकर्ताओं को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम से डिजिटली मार्गदर्शन दिया। देश के विभिन्न प्रदेशों की विधानसभा क्षेत्रों से तीन हजार चयनित कार्यकर्ता भोपाल पहुंचे। इन कार्यकर्ताओं ने बूथ सशक्तिकरण अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीधा संवाद किया। यह देश के राजनैतिक इतिहास में किसी दल का इस तरह का पहला कार्यक्रम हैं।

मुख्यमंत्री योगी का एलान, अवध शिल्पग्राम में बनेगा पहला यूनिटी मॉल

यूपी के लखनऊ, वाराणसी और आगरा में यूनिटी मॉल बनाए जाएंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एमएसएमई दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश का पहला यूनिटी मॉल अवध शिल्पग्राम में बनाया जाएगा। दूसरा बनारस में तो तीसरा आगरा में बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लघु व मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हर जनपद के ओडीओपी उत्पाद को जीआई टैग दिलाया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस राज्य है। प्रदेश में विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं है। पिछले छह वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र

में बड़ा काम हुआ है। लखनऊ से बिहार के कोने तक को छूने का काम पूर्वांचल एक्सप्रेस वे कर रहा है। अब बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे और गंगा एक्सप्रेस वे पर औद्योगिक क्लस्टर बनाने की तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बदले हुए माहौल में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिल चुके हैं। पहले लोग सोचते थे कि उत्तर प्रदेश में पैसा लगाना मतलब पैसा डूबेगा
लेकिन अब निवेशकों की सोच बदली है।उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन की बनाने के लिए कृषि के साथ एमएसएमई को भी बड़े स्तर पर बढ़ाने का काम होगा। प्रदेश में हर वर्ग का सहयोग किया जा रहा है। विश्वकर्मा श्रम सम्मान के द्वारा हम सबको सम्मानित कर रहे हैं। हमने माटी कला बोर्ड का भी गठन किया है।

संपादकीय Editorial

Minister's Sweet Pills

In politics, estimates always go wrong in counting decisions on surprises and unexpected points. The ability to create surprises among the Sukhu government of six months is read in the effect of its formation, then it is not so easy to read the speculations of cabinet expansion that there will always be two or four. This time the gusts of cabinet expansion have come from Delhi and Chief Minister Sukhwinder Sukhu himself has confirmed that this time three new ministers will join soon. It is obvious that the ambition of the post has made many leaders politically sick, while the government has only three sweet pills left for the post of minister. One-sided gaiety in these pills cannot be divided equally. That's why all the good intentions on one side and deep ditches on the other side. Among the faces that are in front, some are our own, some are from the past and some are from the past. If this was not the case, why would only a minister from Kangra or a senior leader like Sudhir Sharma remain ineligible in the first cabinet. The political journey of Rajesh Dharmani would not have ended. Will the Congress government be empowered by the expansion of the cabinet or is the party looking at all this with a view to end the controversy stuck in its dungeons. There are no less apprehensions about whether a new procession will be decorated as a gift of the status of ministers or regional balance. There must have been some compulsions that the government kept hiding some antimony in its eyes. The power is free from its apprehension or these intricacies can become thorny for the future. Whatever it may be, even in the glory of the decisions of the Sukhu government so far, the empty eyes of the politicians are full of tears. Even though Kangra has been elevated to Amarbel of tourism capital, but the roots of Congress history are doing math in this district. No such occasion or era came when this district could not show its stature in the government in the reflection of power. The conflict during the time of Dhumal government may have entered within personal limits, but the number of faces in the cabinet was not less. Kangra got at least three ministers in more or less every power, so this time from where did the cataract come out in the eyes of the party. The most surprising reason is coming to the attention of former minister Sudhir Sharma, but it is now sticking like a political conspiracy with Kangra. In this, not yours, but in every power there has been a tradition of dwarfing the leadership of the district. Today, the big leaders of Kangra district have either been buried or their work is going on. Those who wrote margins for Kishan Kapoor, Ramesh Dhawala and Vipin Singh Parmar in the previous BJP government, their eyes finally opened when the land of power was gone. In such a situation, is the Congress pushing Sudhir Sharma behind because of his seniority, ability and acceptability. It will be interesting to see where this time the leadership of Kangra is attacked and who is crucified. Before this, Vijay Singh Mankotia of Kangra, Dr. Rajan Sushant and self were on the cross of power. Pandit Salig Ram etc. have climbed, so this time Sudhir Sharma is seen stranded in the mock drill. A question echoes in the formation of the government and the farce of the cabinet after that, 'Tera kya hoga Kalia'. Obviously, the one who is left out even after lakhs of efforts, will be Kalia. Will Rajindra Rana, Sudhir Sharma or anyone else give the proof of Kalia this time? So much time has passed in the initial list of the cabinet that if the government wants, it can lighten some burden or reshuffle the allocation of portfolios. Undoubtedly, some leaders got a seat on some board-corporations or some got cabinet status without becoming MLA, but the house of Congress is still deserted due to vacancies.

The Terrible Era of Emergency: A Shameful and Dark Chapter of Indian Democracy

Many leaders who emerged from the revolution of Emergency protest, later led from the center to the states. But, the political developments that took place in Patna just two days before the black day of Emergency, compel us to think that today most of the leaders who are trying to form a grand alliance against the BJP, have political existence against the Congress. 48 years ago, on this very day, the then Congress government put the black stain of Emergency on the white sheet of democracy. In the history of Indian democracy, this day is termed as the most unfortunate day of the country. Even today, not only Indians, but people all over the world who have a soft attitude towards India are recorded as a nightmare.

On the midnight of June 25, 1975, the then Congress government imposed Emergency on the country. The then President Fakhruddin Ali Ahmed declared a state of emergency at the behest of the then Indian Prime Minister Indira Gandhi. Emergency was declared in India from 25 June 1975 to 21 March 1977. This was the most controversial and undemocratic period in the history of independent India, and the 21-month emergency became the dark chapter of Indian democracy, when the resentment against the dictatorship of the then government took the form of a people's revolution to protect democracy, democratic values and people's rights. . Many leaders who emerged from the revolution of Emergency protest, later led from the center to the states.

But the political developments that took place in Patna just two days before the black day of Emergency compels us to think that today most of the leaders who are trying to form a grand alliance against the BJP have political existence as opponents of the Congress. Was made. These leaders had emerged from the fight fought against Emergency. But today their political commitment to power and their tendency to compromise with ideology baffles every common citizen.

In the Constitution of India, the world's largest democracy, Emergency has been discussed between Articles 352 to 360 of Chapter 18. This provision in the Indian Constitution has been taken from the German Constitution. The decision of the Allahabad Court and a major reversal - The reason behind the imposition of Emergency is considered to be the decision of the Allahabad Court, in which the then Prime Minister Mrs.

Indira Gandhi was found guilty of misuse of government machinery in the Rae Bareilly election campaign. After this, not only was his election rejected, but he was also barred from contesting elections and holding any constitutional post for the next 6 years. In fact, this judgment was given by Justice Jagmohan Sinha on 12 June 1975 in the context of a case filed by Rajnarayan after his 1971 defeat at the hands of Indira Gandhi in Rae Bareli. Many inducements were given to Justice Sinha to pass a judgment favorable to Indira Gandhi. Naivalune Krishna Iyer, senior private secretary to Prime Minister Mrs. Gandhi, believed that every human being has a price. Kuldeep Nayyar writes from Uttar Pradesh, Mrs.

Gandhi's home state. One MP had gone to Allahabad. He had spontaneously asked Justice Sinha whether he would agree for five lakh rupees. Justice Sinha did not respond.

He was also tempted to become a judge in the Supreme Court, but he did not budge. The matter went to the Supreme Court. Although the Supreme Court upheld the decision of the Allahabad High Court, it allowed Indira Gandhi to continue on the Prime Minister's chair. This decision came on 24 June 1975, which is still considered controversial. A day after the Supreme Court's decision, an all-India agitation was called by Jayaprakash Narayan demanding the resignation of Mrs. Indira Gandhi. By the way, after the decision of the Allahabad High Court, a nationwide movement had started against Indira Gandhi under the leadership of prominent leaders like Jayaprakash Narayan, Morarji Desai, George Fernandes, Subramanian Swamy etc.

Mrs. Indira Gandhi was in no mood to give up the post of Prime Minister, as a result Emergency was declared at midnight on 25th June. The countrymen came to know about this the next day when Mrs. Indira Gandhi broadcast her message on All India Radio in the morning – "Brothers and sisters, President has declared emergency. But, this need not scare the common people. With this, the period of emergency started. Terrible period of 21 months and politics of India- Emergency lasted for 21 months. During this period the condition of the country became quite dire.

The powers of the Supreme Court were limited by amending the Indian law and constitution. Fearing the nationalist activities of the Rashtriya Swayamsevak Sangh, the Rashtriya Swayamsevak Sangh was banned on July 4, 1975, because, anticipating Mrs. Gandhi's intention even before June 25, she had started spreading public awareness against the Emergency. On 15 March, the Deendayal Research Institute in New Delhi hosted a discussion on Emergency and Democracy in the Constitution, in which former Chief Justice of the Supreme Court Koka Subbarao said that a situation may arise when the President and the Cabinet try to destroy democracy. meet for During the Emergency, about one lakh out of the total of about one and a half lakh who did Satyagraha and about thirty thousand people arrested in MISA, about twenty five thousand were Sangh Parivar workers. About 110 volunteers lost their lives during the movement. Lok Sangharsh Samiti.Through this, a continuous movement was launched against the Emergency. It is said that the Rashtriya Swayamsevak Sangh had an important role in its formation.

Before his arrest, Jayaprakash Narayan handed over the reins of the Lok Sangharsh Samiti to Nanaji Deshmukh and when Nanaji Deshmukh was arrested, the leadership was unanimously handed over to Sunder Singh Bhandari. Here, seeing the way the Rashtriya Swayamsevak Sangh engaged in the struggle to save the national interest and democracy with full enthusiasm and sincerity, even the communist leaders were now forced to praise them.

In the June 9, 1979 issue of the Indian Express, Marxist MP AK Gopalan wrote - "There must have been some role model to give him the indomitable courage for such a heroic act and sacrifice". Although the Communist Party of India (Marxist) opposed the Emergency and actively participated in the movement, the Communist Party of India supported the Emergency. He saw it as an opportunity and welcomed it. He believed that he could convert the Emergency into a communist revolution, however the Left supports all such activities that lead to anarchy and the overthrow of the established order. The CPI also passed a resolution in support of the Emergency during its national convention.

Its effect was that all its workers became active in the whole country in support of the emergency of the Congress and started supporting the government. This was a great moral support to Indira Gandhi and it cost her dearly in later days. Under a plan, all the intellectual institutions were gradually handed over to the leftists. We can see the result of this today. Jayprakash Narayan, Morarji Desai, Chowdhary Charan Singh, Rajnarayan, Madhu Limaye, Chandrashekhar, George Fernandes, Karpoori Thakur, Nitish Kumar, Lalu Prasad Yadav, Mulayam Singh along with Atal Bihari Vajpayee, LK Advani, Dhruv Chand Bansal, Prabhu Dayal Mittal Many prominent leaders were jailed. Atal ji's health deteriorated in jail, so he had to shift to AIIMS. However, Atal ji fell ill several times during his arrest. He remained in jail for 18 months and during this time he made a special place in the hearts of people with his poems written in jail. Vajpayee used to be aware of the underground movements happening in the country.

Suffering from the tyranny of the Emergency, he wrote a poem, which became very popular. In the name of discipline, the blood of discipline has been dissolved, how did the Sangh get obsessed, how did the Sangh get obsessed, Mother worship is banned, Keshav-kul's work is tarnished, prisoner Kavirai breaks legal prison, slogan of Bharat Mata ki Jai will echo The yield of the soil - Today Bihar Chief Minister Nitish Kumar, who is eager to play political innings with the Congress and joined the Grand Alliance with them, was a student leader in those days and was a part of the JP movement. During that time, along with big leaders, Nitish ji was also included in the list of rewarded criminals.

He was arrested on 9 June 1976. The arresting police was given a reward of Rs 2750. It is said that Nitish Kumar was handcuffed by placing a gun on his temple. Strictly speaking, almost all the parties in the Grand Alliance (except the Congress) have been born from the soil of anti-Congress.

It will be called political cynicism that today everyone wants to unite and come on a platform against those people, who shed their blood shoulder to shoulder in protest against the emergency when democracy was being murdered. It is well known that during the Emergency all civil rights were suspended.

Speaking against the government had become a crime. Those who spoke against the power were put in jails. Overall, such atrocities were committed during the Emergency, which once again reminded the countrymen of the British rule. The country also witnessed the phase of forced sterilization in those days. Sanjay Gandhi insulted the Navy Chief by taking the head's chair on the dining table. The press was censored.

The newspapers could publish only the news that the government wanted. By the way, all the news were banned which used to harm the image of the government. In the glorious history of Indian democracy, the Emergency imposed by the dynastic Congress is like a black spot, remembering which the countrymen still shudder.

Today we are celebrating the nectar festival of independence. The hearts of all the countrymen are filled with pride for their achievements and heritage. Today, after 46 years, even though a dignified picture of the country's democracy is being spread all over the world, the pain of the sting of emergency has not left our hearts even today. Germany apologized for Hitler's atrocities, but till date no Congress leader has apologized to the country for the emergency, which proves that even today he does not have any guilt about the emergency. Certainly the period of emergency is a shameful and dark chapter of Indian democracy.

नगर निगम-पीडब्ल्यूडी के दावों के बीच फंसा फ्लाईओवर का यू-टर्न

मुरादाबाद-संभल फाटक फ्लाईओवर- निगम का दावा पैसा दिया, जबकि पीडब्ल्यूडी अधिकारी कह रहे नहीं मिली धनराशि...कौन सही है और कौन गलत, जिलाधिकारी भी प्रकरण पर जता चुके हैं नाराजगी संभल फाटक फ्लाईओवर के पास यू-टर्न बनाने को लेकर नगर निगम व पीडब्ल्यूडी के बीच धनराशि का पेंच फंसा है। निगम का दावा है उसने पैसा दे दिया, जबकि पीडब्ल्यूडी के अधिकारी धनराशि मिलने की बात को नकार रहे हैं। यह विवाद पिछले एक महीने से चल रहा है, जिलाधिकारी के सामने भी यह प्रकरण उठ चुका है और वह भी नाराजगी जता चुके हैं। अब कौन सही और कौन गलत है, ये अभी तय होना बाकी है। रामपुर मार्ग पर संभल फाटक क्रॉसिंग के पास स्थित फ्लाईओवर पर सड़क सुरक्षा उपाय के लिए दो यू-टर्न बनने हैं। एक नगर निगम को और दूसरा यू-टर्न पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड को बनाना है। तय हुआ कि नगर निगम पैसा देगा और काम पीडब्ल्यूडी कराएगा। अपने हिस्से के काम के लिए नगर निगम ने तीन महीने पहले 6.84 लाख रुपये पीडब्ल्यूडी को दिए। यह पैसा चेक के माध्यम से दिया था। चेक संबंधी विवरण भी निगम के अधिशासी अभियंता ने पीडब्ल्यूडी को उपलब्ध कराया था लेकिन, जिला सड़क सुरक्षा समिति की पिछली बैठक 31 मई को पीडब्ल्यूडी अभियंता सुनील सागर ने डीएम से कह दिया कि उन्हें नगर निगम से कोई भी चेक व धनराशि नहीं मिली है। इस पर नगर निगम के अधिशासी अभियंता राजीव राठी ने डीएम से कहा था कि पीडब्ल्यूडी को चेक दिए दो महीने हो गए हैं। यह सुनकर डीएम ने सवाल किया था कि जब नगर निगम ने चेक दे दिया है तो वह गायब कहां हो गया, उन्होंने एफआईआर तक लिखाने के निर्देश दिए थे। फिलहाल, फ्लाईओवर के पास यू-टर्न पर अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। न ही पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिकारी नगर निगम से पैसा मिलने की बात स्वीकार कर रहे हैं। नगर निगम ने नहीं दिया पैसा - अभियंता

पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के सहायक अभियंता मोहम्मद हारुन ने बताया कि नगर निगम ने अभी पैसा ही नहीं दिया है तो फ्लाईओवर पर यू-टर्न बनाने का काम कैसे प्रारंभ कराएं। बताया कि दूसरा यू-टर्न बनाने को उन्होंने कार्ययोजना में लेकर मुख्यालय में पत्राचार किया है। सहायक अभियंता ने बताया कि नगर निगम ने यदि पीडब्ल्यूडी को पैसा ट्रांसफर किया है तो उसका हमें डिटेल भेजे।

पीडब्ल्यूडी को तीन महीने पहले दिए 6.82 लाख

नगर निगम के अधिशासी अभियंता राजीव राठी ने तीन महीने पहले 6.82 लाख रुपये का चेक बनाकर कोषागार भेज दिया था और पैसा पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के खाते (लेखा हेड) में ट्रांसफर हो गया था। चेक जारी करने का डिटेल भी पीडब्ल्यूडी को भेज दिया था। लेकिन, जब जिला सड़क सुरक्षा की पिछली बैठक 31 मई को पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड-प्रथम के अधिशासी अभियंता सुनील सागर ने कह दिया कि पैसा उन्हें मिला नहीं तो उन्होंने बैठक में ही डीएम को बताया भी था कि निगम की तरफ से पैसा दिया जा चुका है। डीएम ने इस मामले में नाराजगी जाहिर की थी। हमने पीडब्ल्यूडी अभियंता की मदद कर पैसा कहां गया, उसे छानबीन भी की थी। पैसा इनके साझा खाते में ट्रांसफर हो गया था। ये भी जानें- 18 मई को अधिशासी अभियंता नगर निगम ने पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखकर धन उपलब्ध कराने की जानकारी दी। 31 मई को पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के प्रतिभागी अधिकारी ने बैठक में कहा, नगर निगम से कोई धन नहीं मिला। फ्लाईओवर पर काम शुरू हो गया है, चूंकि इन्होंने पिछली बैठक की अनुपालन आख्या भेजी है उसमें लिखा भी है कि नगर निगम से पैसा मिल गया है और फ्लाईओवर के पास यू-टर्न बनाने का काम प्रगति पर है। अब जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 28 जून को फिर है- राजीव राठी- अधिशासी अभियंता, नगर निगम हमारा ट्रांसफर हो गया है । फ्लाईओवर पर अभी तक यू-टर्न से संबंधित कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। जल्द ही शुरू होगा तब सूचना करा दी जाएगी।- संजीव कुमार, अधिशासी अभियंता, पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड

तेज रफ्तार का कहर...ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, मौक पर हुई दर्दनाक मौत

मुरादाबाद- थाना मैनाठेर इलाके में भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रक ने बाइक सवार को रौंद दिया है। हादसे में युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। हादसा मुरादाबाद - संभल हाइवे के ग्राम महमूदपुर के पास हुआ है। मौके पर मौजूद लोगों ने इस बात की सूचना उसके परिजनों और पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। आरोपी ट्रक चालक टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया।

आशाओं ने सीएमओ कार्यालय पर किया प्रदर्शन, अपमानित करने वाले कर्मी को निलंबित करने की मांग

मुरादाबाद- लंबित भुगतान दिलाने, गोल्डेन कार्ड बनाने का कार्य आशाओं से कराने की बजाय राशन डीलर व रोजगार सेवक से कराने के लिए कहा आशा कर्मचारी यूनियन की जिलाध्यक्ष सन्जो देवी के नेतृत्व में आशा स्वास्थ्य कर्मियों ने मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उनसे आशाओं को अपमानित करने वाले भोजपुर सीएचसी के बीसीपीएम जीशान अली को तत्काल निलंबित करने, लंबित भुगतान दिलाने की मांग का ज्ञापन दिया। आशाओं ने प्रदर्शन में कहा कि आशा और तमाम आशा संगिनी का पिछले साल का भुगतान लंबित है। कई के भुगतान दस महीने से नहीं दिया गया है। जिससे उनके सामने भुखमरी की स्थिति आ गई है। खसरा का बूस्टर टीका लगाने, कुष्ठ, क्षयरोगियों को चिह्नित करने के लिए किए गए सर्वे कार्य का प्रोत्साहन राशि नही मिला। दस्तक और संचारी रोग नियंत्रण कार्य के पैसे भी नहीं दिए गए हैं। भोजपुर सीएचसी के वीपीसीएम जीशान अली द्वारा आए दिन आशाओं को अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया जाता है। पूर्व में भी उसकी शिकायत करने पर कारवाई नही की गई। उसे सीएमओ कार्यालय के चिकित्साधिकारी का संरक्षण प्राप्त है। आशाओं ने चेतावनी दी कि यदि तीन जुलाई तक सभी मांगे मानते हुए कार्यवाही नहीं की गई तो कार्य बहिष्कार कर अनिश्चित कालीन आंदोलन कर धरना दिया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी सीएमओ की होगी। प्रदर्शन करने वाली आशाओं में राजेंदी, ओमवती, कुसुम, प्रवेश, लीलावती, संगीता, कविता, गुड़िया, कमलेश, चमन, रीता, रीतिका सहित अन्य आशा स्वास्थ्य कर्मचारी शामिल रहीं।

पत्नी के हनीमून ने पति को बनाया चोर, वापसी में दबोचा गया

मुरादाबाद-पत्नी से किए गए वादे को पूरा करने के लिए पति चोर बन गया। हाशिम की शादी जनवरी में हुई थी। उसने हनीमून पर पत्नी को कुल्लू मनाली जैसे हिल स्टेशन घुमाने का वादा किया था। पैसे नहीं होने की वजह से वादे के पूरा करने में दिक्कत आ रही थी। हाशिम ने पहले तीन जून को थाना मझोला इलाके से एक नई बुलेट मोटरसाइकिल चोरी की। चार जून को कोतवाली सदर इलाके के सागर सराय में पहुंचा। सागर सराय में दवा कारोबारियों की दर्जनों होलसेल की दुकानें हैं। हाशिम ने एक मेडिकल एजेंसी पर रेकी कर वहां आने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव पर नज़र रखनी शुरू कर दी, कुछ ही देर में वहां अमरोहा से आए नासिर नाम के एमआर के एक लाख 90 हज़ार रुपए से भरा बैग लेकर हाशिम फरार हो गया। दो दिन में ही बाइक और रुपए चोरी करने के बाद हाशिम अपनी पत्नी से किए गए वादे के मुताबिक़ उसके साथ बुलेट मोटरसाइकिल से कुल्लू मनाली की यात्रा पर निकल गया। कोतवाली सदर पुलिस को चोरी की सूचना मिली। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाले। कोतवाली सदर पुलिस को जब चोरी की सूचना मिली, तो पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज बैग चोरी करने वाले युवक की पहचान करनी चाही तो चोर ने मास्क लगा रखा था, तब पुलिस ने घटना से पहले और घटना के पास लगभग 50 से ज्यादा स्थानों के सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो चोरी करने वाले युवक का चेहरा बिना मास्क के पुलिस को नज़र आ गया, पुलिस ने उस सीसीटीवी फुटेज से आरोपी चोर की हाशिम के रूप में पहचान कर मुखबिर की मदद से हाशिम का मोबाइल नंबर हासिल कर उसे सर्विलांस पर लगा दिया। मुरादाबाद की कोतवाली पुलिस को हाशिम के मोबाइल नंबर की लास्ट लोकेशन हिमाचल प्रदेश मिली, उसके बाद फ़ोन स्विच ऑफ हो गया, पुलिस हाशिम का मोबाइल फोन ऑन होने या फिर उसकी मुरादाबाद वापसी का इंतजार करने लगी। जैसे ही हाशिम अपनी बीवी के साथ वापस मुरादाबाद पहुंचा, पुलिस ने हाशिम को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बैग चोरी की घटना के साथ साथ ही थाना मझोला इलाके से एक बुलेट मोटरसाइकिल चोरी की घटना का भी जुर्म कबूला। हाशिम ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी बीवी से शादी के बाद हनीमून पर किसी अच्छे हिल स्टेशन पर घुमाने का वादा किया था, जनवरी में हुई शादी के बाद से ही उसकी पत्नी बार-बार बोल रही थी कि उसे घुमाकर लाओ। लेकिन उसके पास पैसे नहीं थे तब उसने पहले थाना मझोला इलाके से एक बुलेट मोटरसाइकिल चुराई और उसके बाद फिर वो पैसों के इंतजाम में लग गया। बाइक चुराने के अगले ही दिन उसे एक होलसेल मेडिकल एजंसी पर मौका मिल गया और उसने वहां आए एक एमआर का बैग और उसमे रखे 1 लाख 90 हज़ार रुपए चुरा लिए और फरार हो गया। हाशिम अपनी नई नवेली पत्नी को चोरी की बाईक से ही कुल्लू मनाली लेकर घुमाने लेकर गया था। पुलिस ने जब हाशिम को पकड़ा तो उसके पास चोरी किए गए रूपयों में से 45 हज़ार रुपए ही मिले। फिलहाल पुलिस और छानबीन कर हाशिम जा अपराधिक इतिहास निकाल रही है की हाशिम ने इससे पहले भी कितनी अपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया है।

शादीशुदा महिला के इश्क में गंवाई जान- रात में तीन बच्चों की मां से मिलने पहुंचा प्रेमी, अचानक आ गए परिजन

मुरादाबाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। युवक देर रात शादीशुदा प्रेमिका के घर में घुस गया था। परिजनों उसे पकड़ लिया और जमकर पीटा। मुरादाबाद के कुंदरकी थाना इलाके में शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचे व्यक्ति को महिला के ससुराल वालों ने पकड़ लिया। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई की। उसे पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

थाना इलाके में मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे से सटे एक गांव में सोमवार रात दो बजे गांव का ही एक व्यक्ति अपनी शादीशुदा प्रेमिका से मिलने पहुंचा गया। हालांकि महिला के परिजनों ने दोनों को देख लिया और प्रेमी को पकड़कर पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। इसके बाद युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। महिला तीन बच्चों की मां है, जबकि मृतक युवक की भी एक साल पहले शादी हुई थी। मृतक ट्रक ड्राइवर था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया है

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

किसानों को सामुहिक रूप से खेती के साथ ही फूलों की खेती के लिए प्रेरित करें जिलाधिकारी

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच
नैनीताल- जिलाधिकारी वंदना सिंह की अध्यक्षता मे जिला कार्यालय नैनीताल के सभागार मे सहकारिता एवं गन्ना विकास विभागों की सीएम घोषणा/सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त लम्बित शिकायतों एंव विभागों की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी लेते हुए समीक्षा बैठक आयोजित हुई। डीएम ने समीक्षा के दौरान जिला सहकारिता, सहायक निबन्धक दान सिंह नप्च्याल को निर्देश दिये हैं कि एमपैक्स के तहत जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में सर्वे करते हुए जुलाई अन्तिम सप्ताह तक उन्नत किसानों को जोड़ते हुए मॉडल एमपैक्स मानकों के तहत सोसाइटी बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसानों को सामुहिक रूप से खेती के साथ ही फूलों की खेती के लिए प्रेरित करें

जिसके लिए उद्यान एवं कृषि विभाग से समन्वय बनाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे किसानों का डेटा उपलब्ध करायें

जिन्होंने दीन दयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत दो बार ऋण लिया हो, सचिवों का वैरिफिकेशन, जिला सहकारी संघ की व्यवसाय प्रगति की रिर्पोट उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये। इसके अलावा उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन को गम्भीरता से लेते हुए शिकायतकर्ता से वार्ता करने के उपरान्त शीघ्र दो दिनों में निस्तारण एवं निस्तारण की कार्यवाही पोर्टल पर अपलोड करते हुए रिर्पोट उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। गन्ना विभाग की समीक्षा करते हुए डीएम ने सहायक गन्ना आयुक्त कपिल मोहन से सीएम हेल्पलाइन/घोषणा के अलावा गन्ना विभाग से जुड़ी योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी मुकेश नेगी आदि मौजूद थे।

हल्द्वानी शहर में ईद पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए एसपी सिटी हल्द्वानी ने किया पीस कमेटी की बैठक का आयोजन

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच
नैनीताल- हल्द्वानी- हरबन्स सिंह, एसपी सिटी हल्द्वानी द्वारा कोतवाली हल्द्वानी मीटिंग हॉल में आगामी बकरा ईद के दृष्टिगत शहर हल्द्वानी क्षेत्र की जनता के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में एसडीएम हल्द्वानी पंकज उपाध्याय, ऋचा सिंह सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी एवं भूपेंद्र सिंह धौनी, क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी भी उपस्थित रहे। गोष्ठी में हल्द्वानी, मुखानी, काठगोदाम व बनभूलपुरा क्षेत्रों से आए पीस कमिटी के सदस्यों और संभ्रांत व्यक्तियों की समस्याएं जानी गईं और समाधान करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। गोष्ठी में मुस्लिम समुदाय के स्थानीय लोगों द्वारा बकरा ईद पर्व के दौरान पानी एवं बिजली की समस्याओं के संबंध में भी अवगत कराया गया। जिनका समाधान करने हेतु सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी तथा एसडीएम हल्द्वानी द्वारा सबंधित विभागो के प्राधिकारियों को निर्देशित किया गया। पुलिस व प्रशासन द्वारा जनता से शांतिपूर्ण और भाईचारे के साथ उक्त पर्व को मनाए जाने की अपील की गई है।

त्योहार में स्थानीय प्रतिनिधियों से साफ सफाई का विशेष ध्यान देने को कहा गया। सभी से यातायात नियमों का पालन करने विशेषकर युवाओं को हेलमेट का प्रयोग करने तथा तेज रफ्तार से वाहन न चलाने की अपील की गई। साथ ही नाबालिकों को वाहन न देने को कहा गया। सभी धर्मो के प्रतिनिधियों से धार्मिक सौहार्द को बनाए रखने की अपील की गई। जिन अराजक तत्वों द्वारा माहौल खराब करने का प्रयास किया जाता है उनकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें। कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दिया जाय और न ही ऐसी गतिविधियों में शामिल हों।

अन्यथा नैनीताल पुलिस द्वारा ऐसे लोगों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में विधिक कार्यवाही की जाएगी। उपरोक्त गोष्ठियों में हरेंद्र चौधरी, प्रभारी निरीक्षक हल्द्वानी, नीरज भाकुनी, एसओ बनभूलपुरा, रमेश बोहरा, एसओ मुखानी, उ0नि0 महेंद्र राज सिंह प्रभारी थाना काठगोदाम उ0नि0 फिरोज आलम चौकी प्रभारी मल्ला काठगोदाम समेत संबंधित क्षेत्रों के व्यापार मंडल के अध्यक्ष और सदस्य, संभ्रांत व्यक्ति, पार्षद, मौलवी, गुरुद्वारों के प्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

ट्रांसफर यात्रा भत्ता क्लेम के नाम पर फर्जी बिलिंग से शासन को लगा लाखों का चूना

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-सी एम ओ आफिस में अफसरों की मेहरबानी से स्थानंतरित होकर आए बाबुओं ने की वित्तीय अनियमितता. ट्रांसफर यात्रा भत्ता क्लेम के नाम पर फर्जी बिलिंग से शासन को लगा लाखों का चूना। मोटी कमीशनखोरी के दम पर ट्रेजरी ने शासनादेश को इग्नोर कर बिना आपत्ति के सब भुगतान किए एटा। जिले के स्वास्थ विभाग की पर्दे की पीछे की जा रही अनियमितताएं नित नए रूप रंग में सामने आ रही हैं जो बाबुओं एवं जिम्मेदार अफसरों की मिलीभगत से पिछले वर्षों में की गईं हैं। हैरत है अनियमितताओं पर विभाग के अधिकारी सहयोगी रहे तो भुगतान के लिए अधिकृत सरकारी विभाग जिला कोषागार कार्यालय धृतराष्ट्र बन कर बैठा रहा धडल्ले से अनियमित भुगतान होते रहे।जबकि मामूली त्रुटि पर आपत्ति लगाने में माहिर ट्रेजरी ने कोई संज्ञान नही लिया । स्वास्थ विभाग का वित्तीय अनियमितता का यह मामला वर्ष 2021-22 में दूसरे जिलों से स्थांतरित होकर आए कनिष्ठ लिपिक/प्रधान लिपिक यानि बाबुओं के ट्रांसफर यात्रा भत्ता एवं लगेज का है जिसकी भारी भरकम बिल बाउचर लगा कर सीएम ओ के माध्यम से चिकित्सा स्वास्थ एवं परिवार कल्याण निदेशालय को लाखों की डिमांड भेजी जिसे सभी स्थांतरित होकर आए बाबुओं ने अपनी मन मर्जी से बिना

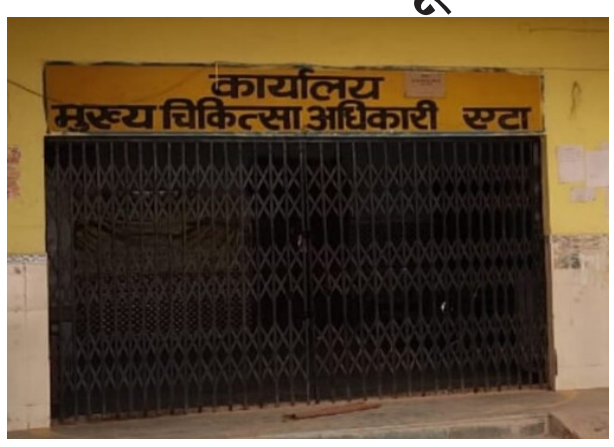

वित्तीय निर्देश और शासनादेश का ध्यान रखते हुए बनाया गया । जिसको अंतिम रूप से भुगतान करते समय ट्रेजरी एटा को शासनादेश के क्रम में संज्ञान लेना चाहिए था परंतु लाखों के भुगतान ट्रांसफर भत्ता के नाम पर कर दिया गया। बताते है ट्रांसफर भत्ता स्थांतरित कर्मी की बिलिंग/डिमांड के अनुरूप जिला स्तरीय अफसर के माध्यम से निदेशालय प्रेषित किया जाता है उक्त बजट को स्वीकृत आदेश हेड के अनुसार जिले पर भेजा जाता है। परंतु प्रेषित डिमांड ही शासनादेश को दरकिनार कर की गई । वित्तीय नियमो की भी अनदेखी की गई। नियमानुसार बेसिक वेतन का 40 फीसदी स्थांतरण भत्ता अनुमन्य है परंतु इस तथ्य की अनदेखी कर मनमर्जी से यह डिमांड बनाई गई वही लगेज (सामान लाने) का भत्ता बिना रोडवेज/ रेलवे की किराया दर के हिसाब से बना कर अनाप शनाप बनाया गया। बताते है इस हेतु 30 किवंटल भार एवं 60 किवंटल भार ही स्वीकृत है जो रेलवे या रोडवेज दर से अनुमन्य है। परंतु बाबू अफसर भुगतान सत्यापन करने वाले विभाग सभी ने मिलीजुली प्रक्रिया से सब ओके कर दिया किसी को ट्रांसफर यात्रा भत्ता संबंधी शासनादेश को देखने की फुरसत नहीं मिली। यह अनदेखी अनजाने में हुई हो यह नही माना जा रहा क्योंकि लाखों के इस हेड के बजट की डिमांड भिजवाने स्वीकृत करने से लेकर भुगतान तक खूब बंदरबांट हुआ इसी लिए खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ती रही। गौरतलब है वर्ष 2021-22 में निदेशक प्रशासन की पहल पर बाबुओं के स्थानांतरण किए गए जिसमे लगभग 16 बाबू एटा में बाहर से आए जिनके ट्रांसफर यात्रा भत्ता के भुगतान के नाम पर यह खेल हुआ है। जो वर्ष 2021 ,से लेकर मौजूदा वित्तीय वर्ष में इस हेतु आवंटित बजट को लेकर यह खेल चल रहा है।हालांकि यह एक अलग मामला है पर ऐसे अभी बहुत मामले ऐसे है जिनमे वित्तीय नियम शासनादेश और शासन की नीति के विरुद्ध जाकर धंधलिया की गई हैं। अब देखना जीरो टॉलरेंस नीति का बखान करने बाला सिस्टम ऐसी वित्तीय लूटों पर क्या एक्शन लेता है।

टूटने की कगार पर एक खड़े परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री उदय शंकर के निर्देशन में महिला थाना कैंपस नारी उत्थान केंद्र भवन में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में आज दिनांक 27/6/2023 को आपसी मतभेद के कारण टूटने की कगार पर एक खड़े परिवार को समझा कर फिर से एक साथ रहने के लिए राजी किया गया वादी श्रीमती देवेश कुमारी पुत्री विजयपाल सिंह निवासी पटना पक्षी बिहार थाना जलेसर जिला एटा प्रतिवादी नवनीत कुमार पुत्र प्रेमपाल सिंह निवासी भटपुरा थाना सिकंदराराऊ जिला हाथरस आपसी मतभेद के कारण परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया दोनों अपनी पिछली गलतियों को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए आज की बैठक में प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मवती निरीक्षक बेगराम सिंह काउंसलर राजेंद्र कश्यप दुष्यंत यादव पुलिस स्टाफ

हेड कांस्टेबल मिथलेश पूजा मौजूद रहे

2 वर्ष 06 माह साधारण कारावास व 500 /- के जुर्माने की मिली सजा

निशाकांत शर्मा -क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-एटा पुलिस की प्रभावी पैरवी एवं सतत निगरानी के चलते गैंगस्टर एक्ट के मामले में एक आरोपी को दोषी पाते हुए माननीय न्यायालय से 2 वर्ष 06 माह साधारण कारावास व ?500 /- के जुर्माने की मिली सजा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन में जनपदीय मॉनिटरिंग सेल द्वारा लगातार निगरानी रखते हुए- आज दिनांक 26/06/23 को अभियुक्त प्रेमपाल पुत्र श्रीनिवास निवासी ग्राम जलालपुर थाना अवागढ़ एटा संबंधित मु0अ0 सं0 354/20 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट थाना अवागढ़ एटा को दोषी पाते हुए मां0 किशोर न्यायालय बोर्ड एटा द्वारा अभियुक्त को 2 वर्ष 6 माह का साधारण कारावास वह ?500 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया।

ओवरटेक करते समय रोडवेज बस की ट्रक से भीषण भिडंत दर्जन भर यात्री घायल

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-नोएडा डिपो की रोडवेज बस ट्रक को ओवरटेक करते समय पीछे से ट्रक जा भिड़ी थानाध्यक्ष पिलुआ दिनेश कुमार ने बताया कि आज दोपहर नोएडा डिपो की रोडवेज बस जिसमें 50 यात्री सवार थे जो नोयडा की ओर से आ आ रही थी कि एक ट्रक से भिड़ंत हो गयी जिसमें 9 पुरुष व 3 महिला यात्री घायल हो गए घायलों में एटा मैनपुरी रोहतक बिहार कोतवाली देहात एटा के लगभग 50 यात्री सवार थे। एक्सीडेंट का कारण अभी पता नहीं चल सका है। बस में यात्रा कर रहे मैनपुरी के यात्री सुजीत कुमार ने बताया कि बस का चालक बस को तेजी से भगा रहा था और उसने ओवरटेक करते समय आगे जा रहे ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी जिसमें बस में यात्रा कर रहे काफी यात्री घायल हुए हैं तथा चालक बस छोड़कर फरार हो गया समाचार लिखे जाने तक चालक परिचालक का पता नहीं चल पाया था।

दो बाइक सवार लोगो की हुई दर्दनाक मौत, 3 लोगो की हालत गंभीर

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-एटा में दो तेज रफ्तार बाइकें आमने-सामने टकराई, दो बाइक सवार लोगो की हुई दर्दनाक मौत, 3 लोगो की हालत गंभीर मोड़ पर दोनों तेज रफ्तार बाइक आपस में टकरा गई,एक बाइक पर 3 लोग सवार थे वहीं दूसरी पर 2 लोग बैठे थे, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को कराया सीएचसी पर भर्ती, 2 गंभीर घायलों को एटा मेडीकल किया रेफर, जिसमे 1 की रास्ते में लाते वक्त हुई

मौत और दूसरे को डॉक्टरों ने उपचार के दौरान किया मृत घोषित, एक बाइक पर सवार तीनो लोग जनपद कासगंज के गांव सुन्नगढ़ी से गमी में शामिल होकर लोट रहे थे, एटा के थाना राजा के रामपुर क्षेत्र के पटियाली मार्ग के पहरैया मोड़ के पास हुई घटना

अनैतिक कुकर्म करने और दोस्त को घर बुलाकर कमरे में बंधक बनाकर तमंचे की नोक पर दुष्कर्म कराने का पत्नी ने लगाया आरोप

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-एटा में एक पत्नी ने पति पर जबरन अनैतिक कुकर्म करने और दोस्त को घर बुलाकर कमरे में बंधक बनाकर तमंचे की नोक पर दुष्कर्म कराने का पत्नी ने लगाया आरोप, पीड़िता पत्नी ने आरोपी पति प्रदीप यादव पर जबरन कुकर्म करने और पीड़िता को जान से मारने के लगाए गंभीर आरोप, एसएसपी के आदेश पर थाने में स्नद्धक्र हुई है दर्ज, पीड़िता पत्नी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लगाई न्याय की गुहार,आरोपी कुकर्मी पति भागना चाहता है विदेश,पति के वीजा और पासपोर्ट को जप्त कराने की मुख्यमंत्री से की है मांग,पीड़िता पत्नी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर कई बार आरोपी पति की गिरफ्तारी और पासपोर्ट वीजा जप्त कराने की कर चुकी है शिकायत फिर भी नही हुई कोई कार्यवाही, यदि पीड़िता पत्नी की मानें तो दोस्त की मौजूदगी में ही पति प्रदीप यादव ने पहले कुकर्म किया और फिर बाद में चंद रुपयों की खातिर दोस्त को परोस दिया और पीड़िता के विरोध करने पर तमंचे की नोक पर दोस्त ने किया दुष्कर्म, थाना मिरहैची क्षेत्र का मामला।

समर कैंप में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र मिले

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- विकास खण्ड भदपुरा में 79 ग्राम पंचायतों में सीडीओ बरेली के आह्वान पर ग्राम पंचायत स्तर पर प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए गर्मी की छुट्टियों में 22मई से 17जून तक समर कैंप संचालित करने वाले सभी स्वयं सेवकों को उनके शिक्षण कार्य के लिए प्रमाण पत्र- वितरण समारोह खंड विकास अधिकारी भदपुरा की अध्यक्षता में ब्लाक संसाधन केंद्र में आयोजित किया गया।जिसमें सभी स्वयं सेवकों का उत्साहवर्धन किया गया। पूर्णिमा मिश्रा जो एक विद्यार्थी हैं। उन्होंने समर कैंप में शिक्षण की समझ तथा बच्चों के मनोभाव को जानने के अनुभव साझा किया। स्वयं सेवी सेवानिवृत शिक्षण चेतराम गंगवार द्वारा समर कैंप के माध्यम से पुनः बच्चों के साथ जुड़ना एक सुखद अनुभव बताया ।स्वयं सेवक अशोक राज ने बताया समर कैंप में एक शिक्षक के रूप में समाज में छवि बनाना एक अमूल्य निधि है ।खंड शिक्षा अधिकारी त्रिलोकी नाथ ने सभी स्वयं सेवकों के शिक्षण कार्य की सराहना करते हुए कहा समर कैंप के माध्यम से सभी स्वयं सेवकों को समाज में एक विशेष सम्मान मिला है। उनके आगामी भविष्य में ये अनुभव बहुत काम आएगा। कैंप से उन्हें बहुत सीखने का अवसर मिला। यह उनके लिए अमूल्य है निधि है। ए.डी.ओ. पंचायत रंजीत सिंह द्वारा स्वयं सेवकों से कैंप में आने वाली समस्याओं पर बात की तथा उनका बच्चों के साथ कैसा अनुभव रहा इस विषय में बात करते हुए बताया की समर कैंप के माध्यम से बच्चों की शिक्षा में निरंतरता बनी रही। बच्चों ने समय का बेहतर उपयोग किया । खंड विकास अधिकारी ने सभी स्वयं सेवकों के कार्य की सराहना की ।कार्यक्रम का संचालन एआरपी संजीव सिंह ने किया । उन्होंने शिक्षा से समाज को जागृत करना और एक उत्कृष्ट समाज के सृजन करने में उनका योगदान हमेशा सराहनीय प्रयास है ।कार्यक्रम में शिक्षक ओम बाबू , शशांक गंगवार, लालता प्रसाद, सुधांशु, अवधेश ,स्वयं सेवक अशोक राज ,महेंद्रपाल ,अनामिका गंगवार ,मंजू, श्रृष्टि गंगवार ,अनामिका मिश्रा आदि मौजूद रहे।

समस्त निर्माण दाई संस्था अपने क्षेत्रों के बरसाती नालों में साफ-सफाई, झाड़ी-कटान का कार्य समय से पूर्ण करें-मुख्यमंत्री

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

हल्द्वानी- सर्किट हाउस काठगोदाम में अधिकारियों की बैठक लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मानसून अवधि व आपदा के दृष्टिगत अधिकारियों को सजग रहने के निर्देश दिए। कहा कि समस्त अधिकारी अपने क्षेत्रों में पल-पल के खबरों की जानकारी लेते हुए नजर बनाए रखें जिससे किसी भी प्रकार की आपदा के घटित होने पर उसके प्रभाव को कम करते हुए ससमय राहत व बचाव का कार्य किया जा सके। सीएम ने कहा कि हम किसी भी आपदा को रोक नहीं सकते किंतु उसके होने वाले प्रभावों को कम कर सकते है, इसके लिए हम सभी को सजग रहते हुए कार्य करना है। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बरसात के सीजन में आने वाली आपदा के पुराने अनुभव को देखते हुए अधिकारियों को इस बार पुख्ता तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि समस्त निर्माण दाई संस्था अपने क्षेत्रों में नालों की साफ-सफाई, झाड़ी-कटान के साथ ही सड़को पर पड़े हुए मलबे को साफ करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश में मानसून पहुंच चुका है लिहाजा एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आइटीबीपी सहित लोक निर्माण विभाग और समस्त जिला प्रशासन एलर्ट मोड़ पर रहते हुए कार्य करें। मुख्यमंत्री ने गड्ढा मुक्त अभियान के संबंध में अधिकारियों को तेज गति से गुणवत्तापरक कार्य करने के निर्देश दिए। कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जायगी। उन्होंने कहा कि पर्यटन प्रदेश होने के नाते हमारा दायित्व बनता है कि हम पर्यटकों को बेहतर सड़क व अधिक सुविधा मुहैया करायें जिससे हमारा पर्यटन आधारित प्रदेश समृद्ध हो सके व पर्यटक प्रदेश की बेहतर छवि लेकर जाए। वहीं दूसरी तरफ अतिक्रमण को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 2700 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण चिन्हित हुआ है और धीरे-धीरे वन भूमि और सरकारी भूमि में हुए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है और सरकार द्वारा लोगों से भी अपील की गई है जो स्वयं अतिक्रमण भूमि में बैठे हैं वह अपना अतिक्रमण स्वतः खाली कर दें। इसके साथ ही सीएम ने ट्रैफिक प्लान, पेयजल के साथ ही विकास कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा एवम पर्यटन राज्य मंत्री/सांसद अजय भट्ट, मेयर डॉ जोगिंदर पाल सिंह रौतेला, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक कालाढूँगी बंशीधर भगत, नैनीताल सरिता आर्या, लालकुआं डॉ मोहन सिंह बिष्ट, भीमताल राम सिंह कैड़ा, डा0 अनिल कपूर डब्बू, दिनेश आर्य, प्रकाश हरबोंला,सुरेश भटट, आईजी नीलेश आनंद भरणे, जिलाधिकारी वंदना सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट, डीएफओ संदीप कुमार, अधीक्षण अभियंता जलसंस्थान विशाल सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उपाध्यक्ष महिला आयोग ने हल्द्वानी जेल का निरीक्षण किया

राजकुमार केसरवानी
क्यूँ न लिखूँ सच

हल्द्वानी- उपाध्यक्ष महिला आयोग शायरा बानो ने मंगलवार को हल्द्वानी जेल का निरीक्षण किया उन्होंने महिला कैदियों से वार्ता कर रसोई घर और चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को परखा। उपाध्यक्ष महिला आयोग को महिला बंदियों द्वारा खाने-पीने, रहने की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली महिला कैदियों द्वारा जेल में दी जा रही व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्ति किया व जेल परिसर में साफ-सफाई पाई गई। बंदियों से निःशुल्क विधिक सहायता के सम्बंध में वार्ता की गई। उपाध्यक्ष महिला आयोग शायरा बानो ने सभी सुविधाओं पर संतोष जताया। इस अवसर पर प्रभारी जेल अधीक्षक प्रमोद कुमार, जेलर आरपी सैनी आदि उपस्थित थे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई ग्राम विकास अधिकारी पुनर्परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई ग्राम विकास अधिकारी पुनर्परीक्षा रिठौरा। नगर के दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दो पालियों में सम्मिलित ग्राम पंचायत अधिकारी,ग्राम विकास अधिकारी,एवं समाज कल्याण पर्यवेक्षक की परीक्षा में एसडीएम फरीदपुर पारूल तरार, स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट महेंद्र प्रताप, केन्द्र व्यावस्थापक आशीष कुमार सिंह के नेतृत्व में हुई।कुल पंजीकृत पांच सौ चार परीक्षार्थियों में प्रथम पाली सुबह 10 से 12 में 297 ने परीक्षा छोड़ दी,दूसरी पाली 3से5में 289 ने परीक्षा छोड़ दी।परीक्षा में रघुवीर सरन ,कुसुम गंगवार ,रामसिंह ,राजपाल, सुरेश चन्द्र, रमेश चन्द्र,अतुल कुमार, मौर्या, गिरिजेश बाला ,डॉक्टर राजेश कुमार गंगवार , डॉक्टर सर्वेश कुमार,लोकेश कुमार वरूण वर्मा ब्रजेश कुमार प्रदीप कुमार गुप्ता, अभिराम गुप्ता,आकाश, कान्स्टेबल सुधीर कुमार, विशेष चौधरी सहित भारी पुलिस फ़ोर्स मौजूद रहा।

पंचायत मंत्री ने खन्ना में 40 करोड़ रुपये कीमत की 100 एकड़ अतिक्रमित सरकारी जमीन खाली कराई

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- खन्ना - ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने जिले के खन्ना उपमंडल के अंतर्गत आने वाले गांव इस्सरू में 40 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध रूप से कब्जा की गई 100 एकड़ जमीन को सफलतापूर्वक वापस ले लिया। अतिक्रमित भूमि पर कब्जा वापस लेने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि इस भूमि का बाजार मूल्य लगभग 40 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि सात परिवारों के 54 लोगों ने जमीन के इस हिस्से पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया था। मंत्री ने कहा कि पिछले साल से पूरे पंजाब में लगभग 12500 एकड़ ज़मीन का कब्ज़ा लिया जा चुका है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि इस वर्ष, विभाग ने शेष मामलों को निपटाने और पंजाब में शेष अतिक्रमित भूमि की शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने की प्रक्रिया पहले ही तेज कर दी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि राज्य सरकार प्रत्येक भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राज्य के लोगों से आगे आने और स्वेच्छा से अतिक्रमित सरकारी भूमि को खाली करने का आग्रह किया ताकि इस भूमि से प्राप्त राजस्व का उपयोग राज्य के विकास के लिए किया जा सके।

बिजली के करंट से मरने वालों को 25-25लाख का मिले मुआवजा, बालक राम गंगवार

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- रिठौरा। शादी की बुग्गी की सफाई करते समय करंट लगने से नगर के मोहल्ला इन्द्रपुरी के राशिद और अफसार की मौत हो गई।तथा अली हसन झुलस गए। किसान नेता बालक राम गंगवार ने मंगलवार को जिलाधिकारी को लिखित पत्र देकर मृतकों के परिजनों को 25-25लाख रूपये मुआवजे की मांग की है। तथा घनी बस्ती में झूल रहे बिजली के तारों को विभाग द्वारा तुरन्त सही करवाने की मांग की है।

सीटी यूनिवर्सिटी ने इंटर स्कूल बिजनेस मेनिया 23 का आयोजन किया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- सीटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज ने प्रतिभा, रचनात्मकता और व्यावसायिक कौशल का जीवंत मिश्रण प्रदर्शित करते हुए ‘इंटर स्कूल बिजनेस मेनिया 23’ प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डिजिटल पोस्टर मेकिंग, क्रॉसवर्ड पहेली, एड मैड शो, बिज़टैग प्रतियोगिता, बिजनेस प्लान प्रतियोगिता, बस एक मिनट की गतिविधि और बिजनेस वर्ल्ड के लिए कार्टूनिंग आदि सहित आकर्षक गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल थी। इस कार्यक्रम ने विभिन्न विषयों के छात्रों के लिए एक सामंजस्यपूर्ण टीम के रूप में सहयोग करने, नवाचार करने और अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 300 से अधिक छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रतियोगिता की शानदार सफलता में योगदान दिया। प्रोफेसर (डॉ.) निखिल मोंगा, सहायक डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, सीटी यूनिवर्सिटी ने उत्साही प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के आदर्श वाक्य पर जोर दिया, जो महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता, लचीलापन, टीम वर्क को बढ़ावा देना और छात्रों में प्रतिभा के छिपे खजाने को प्रदर्शित करने के लिए आत्मविश्वास पैदा करना है।

सीटी यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर डॉ. मनबीर सिंह ने कहा कि ‘इंटर स्कूल बिजनेस मेनिया %23’ समग्र शिक्षा और भविष्य के बिजनेस लीडर्स के पोषण के प्रति सीटी यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। प्रतियोगिता ने छात्रों को अपने व्यावसायिक कौशल, नवीन विचारों और सहयोगात्मक भावना को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

विजीलैंस ब्यूरो द्वारा एस.डी.एम कार्यालय मालेरकोटला में तैनात क्लर्क को 5 लाख रुपए रिश्वत अपने पास रखने के दोष में गिरफ़्तार

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- कानूनगो विजयपाल सिंह को 5 लाख रुपए रिश्वत लेने के दोष में गिरफ़्तार करने के बाद विजीलैंस ब्यूरो, लुधियाना की आर्थिक अपराधिक शाखा (ई.ओ.डब्ल्यू.) ने आज एस.डी.एम. मालेरकोटला कार्यालय में तैनात क्लर्क रोहित शर्मा उर्फ रोहित कुमार को उक्त कानूनगो की तरफ से दी रकम को अपने पास रखने के दोष में गिरफ़्तार किया है। वर्णनीय है कि विजीलैंस ब्यूरो की आर्थिक अपराध शाखा ने कानूनगो विजयपाल को शिकायतकर्ता करमजीत सिंह निवासी गांव भैनी कलां से उसकी ज़मीन की खानगी तक्सीम करवाने और सडक़ के लिए अधिग्रहित ज़मीन का मुआवज़ा दिलाने बदले दो किश्तों में 5 लाख रुपए रिश्वत लेने के दोष में गिरफ़्तार किया था। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले की जांच के बाद विजीलैंस ब्यूरो को इस मामले में क्लर्क रोहित शर्मा की श्मूलियत का पता लगा है, जो कि एस.डी.एम. मालेरकोटला के रीडर के तौर पर तैनात है। उक्त कानूनगो ने रिश्वत की यह रकम उसे दी थी। इस संबंधी एफ.आई.आर नं. 2 तिथि 23- 02- 2023 को भृष्टाचार रोकथाम एक्ट की धारा 7 अधीन थाना आर्थिक अपराध शाखा, विजीलैंस ब्यूरो, लुधियाना में पहले ही दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि मुलजिम क्लर्क को गिरफ़्तार कर लिया गया है और बाकी पूछताछ की जा रही है।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999’ में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

ताज़ा खबरों के लिए देखे
WWW.KNLSLIVE.COM

रक्तदान के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सिविल सर्जन ने जत्थेदार निमाणा को पुरस्कार दिया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना- विश्व रक्तदाता दिवस को समर्पित एक सम्मान समारोह सिविल अस्पताल मातृ एवं शिशु विभाग के भगवान महावीर हॉल में बीटीओ डॉ. गुरिंदरदीप सिंह ग्रेवाल के नेतृत्व में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य मेहमान सिविल सर्जन डॉ. हतिंदर कौर और उनके साथ एसएमओ डॉ. अमरजीत कौर, एसएमओ डॉ. हरिंदर सूद, डॉ. हरप्रीत सिंह, डॉ. अमृत कौर चावला विशेष तौर पर मौजूद रहे। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. हतिंदर कौर ने कहा कि पिछले दो दशकों से जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाना मुख्य सेवादार भाई घनैईया जी मिशन सेवा सोसाइटी (रजि.) द्वारा रक्तदान अभियान को तेज करने के लिए किया गया अमूल्य कार्य संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। सिविल सर्जन डॉ. हतिंदर कौर ने कहा कि 10 बार राज्य पुरस्कार से सम्मानित जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाणा की निस्वार्थ भावना से पंजाब के युवाओं को रक्तदान के जागरूकता अभियान से जोड़ने का एक बड़ा प्रयास किया

और पूरे पंजाब में आंदोलन चलाकर अब तक 640 रक्तदान शिविर आयोजित कर लाखों मरीजों को बिना किसी कीमत के रक्त दिया जा चुका है। सिविल सर्जन डॉ. हतिंदर कौर ने रक्तदान के प्रति उत्कृष्ट सेवा के लिए जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाना और 70 बार रक्तदाता कुलविंदर कुमार गोगला को 卐विश्व रक्तदाता दिवस पुरस्कार卐 से सम्मानित किया। इस मौके पर सरपंच निर्मल सिंह, डॉ. अर्शप्रीत कौर, कोमल कुमारी, सुखविंदर कौर, नीलम भगत, गिरदौर सिंह और सिविल अस्पताल ब्लड बैंक का सारा स्टाफ मौजूद था।

पंजाब सरकार के खिलाफ भिन्न- भिन्न विधानसभा क्षेत्रों में काटे गए राशन कार्डों की बहाली के लिए धरना प्रदर्शन

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना- काटे गए राशन कार्डों को बहाल करवाने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) लुधियाना द्वारा पंजाब सरकार के खिलाफ भिन्न- भिन्न विधानसभा क्षेत्रों में काटे गए राशन कार्डों की बहाली के लिए धरना प्रदर्शन पंजाब सरकार द्वारा लुधियाना शहर में रहने वाले लगभग 46000 गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बिना किसी जांच के काटे गए राशन कार्डों को बहाल करवाने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) लुधियाना द्वारा पंजाब सरकार के खिलाफ भिन्न- भिन्न विधानसभा क्षेत्रों में काटे गए राशन कार्डों की बहाली के लिए धरना प्रदर्शन करने के नियोजित कार्यक्रम के तहत आज हलका पूर्वी के समराला चौक में जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) लुधियाना के अध्यक्ष संजय तलवाड़ के नेतृत्व में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के साथ धरना दिया। धरना प्रदर्शन में सांसद मेंबर रवनीत सिंह बिट्टू भी विशेष रूप से शामिल हुए।इस धरना प्रदर्शन को संबोधन करते हुए सांसद मेंबर रवनीत सिंह बिट्टू और संजय तलवाड़ ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में रहने वाले कई परिवारो के सदस्य हमसे मिलने कार्यालय में आ रहे हैं।इन परिवारों का कहना है कि हमारे परिवारो को पिछली कांग्रेस सरकार के समय डीपुओ से राशन कार्ड के माध्यम से जो सस्ता गेहूं दिया जा रहा था. वो सस्ता गेहूं हमें इस महीने डीपु वालो ने यह कहकर नहीं दिया । कांग्रेस पार्टी की तरफ से आश्वासन दिया है कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ है और उनका हक दिलाने के लिए हर तरह से उनका साथ देगी।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

रक्तदान के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं सिपाही की पत्नी की हत्या: रात में बहू ने की ऐसी हरकत, ससुर ने कुल्हाड़ी से काट दी गर्दन; बताई शर्मनाक सच्चाई

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में ससुर ने अपने सिपाही बेटे की पत्नी की हत्या कर दी। अरोपी ने कुल्हाड़ी से महिला की गर्दन काट दी। इसके बाद वो कहीं भागा नहीं, बल्कि घर के बाहर ही बैठ गया। घटना को देख गांव में दहशत फैल गई। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर आ गई। पुलिस ने आरोपी ससुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ससुर ने बताया कि बहू ने रात में ऐसी हरकत की कि वो सो नहीं पाया। सुबह भी उसका गुस्सा शांत नहीं हुआ, जिसके बाद कुल्हाड़ी से उसकी गर्दन काट दी। पुलिसकर्मी बेटे की पत्नी की हत्या करने वाले पिता ने बताया कि बहू ने ऐसी हरकत कर दी, जिसकी वजह से वो रात भर सो नहीं पाया। सुबह

उठकर उसने कुल्हाड़ी से बहू की गर्दन काट दी। घटना किरावली थाना क्षेत्र के गांव मलिकपुर की है। यहां के रने वाले 62 वर्षीय रघुवीर का बेटा गौरव यूपी पुलिस में सिपाही है। गौरव की पत्नी प्रियंका गांव में ही रहती है। आज सुबह रघुवीर ने प्रियंका पर उस समय हमला बोला, जब वो खाना बना रही थी। ग्राम प्रधान की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची। पुलिस ने आरोपी रघुवीर को गिरफ्तार कर लिया।

इसलिए काट दी बहू की गर्दन

पुलिस पूछताछ में रघुवीर ने बताया कि छोटी बहू बात-बात पर झगड़ा करती थी। छह महीने पहले बड़े बेटे की मौत हो गई थी। उसकी पत्नी भी घर में रहती है। सोमवार रात को छोटी बहू ने बड़ी से झगड़ा किया। मैंने रोका तो लात मार दी। मैं गिर पड़ा। छोटी बहू के इस व्यवहार से मैं पूरी रात सो नहीं सका। सुबह उठा तो तनाव में था। इसीलिए कुल्हाड़ी से बहू को काट डाला।

हो रही थी परिवार में कलह

डीसीपी पश्चिमी जोन सोनम कुमार ने बताया कि आरोपी रघुवीर के बड़े बेटे की छह महीने पहले मौत हो गई थी। पुत्रवधू उनके साथ ही रहती है। छोटी बहू से उसका विवाद होता था। आरोपी ने बताया कि वह दोनों को साथ रखना चाहता था। मगर, झगड़े की वजह से परिवार में कलह हो रही थी।

दोनों बहुओं में हुआ था झगड़ा

सोमवार रात को दोनों बहुओं में झगड़े के दौरान समझाने का प्रयास किया था। इसी दौरान छोटी बहू ने उसे लात मार दी। इस वजह से उसने आज सुबह हत्याकांड को अंजाम दिया। आरोपी से अभी और पूछताछ की जा रही है।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़,पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
KNLS Live 24x7
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार सिंह एवम पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में पीस कमेटी की समीक्षा

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद जिलाधिकारी श्री संजय कुमार सिंह एवम पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में पीस कमेटी की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। आगामी त्यौहार बकरी ईद को दृष्टिगत रखते हुए नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ईदगाहों पर बेहतर साफ सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। आगामी त्योहारों पर बेहतर विद्युत/ पेयजल सप्लाई उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। रेलवे रोड पर चल रहे निर्माण कार्य में हो रहे नाली खुदाई के दौरान निकलने वाले मलवे को तत्काल हटवाने के निर्देश दिए। मुस्लिम समुदाय क्षेत्रों में कम से कम दो बार कूड़े दानों की सफाई कराई जाए और उसकी विशेष मॉनिटरिंग की जाए। कही भी किसी भी प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी नहीं होगी और खुले में कुर्बानी नहीं की जाए। सभी लोग शांति पूर्वक ढंग से आगामी त्योहारों को मनाएंगे। आगामी त्यौहारों पर जनसामान्य को किसी तरीके समस्या नहीं होनी चाहिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस संबंधित अधिकारी, धर्म गुरु संभ्रांत नागरिक आदि उपस्थित रहे।

कोतवाली की दयनीय हालत देख एसपी हैरान पड़ोसियों की नाली बंद करने की हिदायत

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच
फर्रुखाबाद -जिले का चार्ज ग्रहण करने के बाद नए पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने थानों का निरीक्षण कर लापरवाह कर्मचारियों के पेंच कसने शुरू कर दिए हैं। एसपी श्री कुमार ने देर शाम कोतवाली मोहम्मदाबाद का व्यापक निरीक्षण किया जब एसपी कीचड़ भरे रास्ते से गुजरते हुए कोतवाली कार्यालय के पीछे गए तो वहां गंदे पानी के तालाब को देखकर हैरान रह गए।उन्होंने जानकारी करने के बाद प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह को हिदायत दी कि जिन पड़ोस के घरों का पानी कोतवाली में आता है उन लोगों की नाली का पानी बंद किया जाए। मेस के निकट भी गंदगी देखकर एसपी नाराज हुए उन्होंने कहा कि जहां खाना बनता है वहां तो गंदगी नहीं होनी चाहिए महिला हेल्प डेस्क पर किसी कर्मचारी को न देख कर एसपी ने जानकारी की तो उन्हें बताया गया कि ड्यूटी वाली महिला कंप्यूटर कक्ष में गई है हवालात का जायजा लेने के बाद कहा कि हवालात में अधिक गर्मी नहीं होनी चाहिए इसके लिए कोई उचित व्यवस्था की जाए उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी मांगी पुलिस अधीक्षक ने लेखपाल को बुलाकर थाने की जगह चिन्हित कर बाउंड्री वाल बनवाने के लिए इंस्पेक्टर को स्टीमेट बनवाने को कहा कोतवाली के गेट पर मेन गेट बनवाने का निर्देश देते हुए कहा कि मालूम पड़ना चाहिए कि यहां कोतवाली है एसपी ने थाना प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए जाते समय कोतवाली से भारतीय पाठशाला तक पैदल गस्त किया इसी दौरान उन्होंने सड़क पर डिवाइडर बनवाने के लिए शासन स्तर से कार्रवाई करवाने का वादा किया इस दौरान क्षेत्राधिकारी अरुण कुमार मौजूद रहे इससे पूर्व पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली फतेहगढ़ का आकस्मिक निरीक्षण किया महिला हेल्प डेस्क एवं थाने के अभिलेखों व अपराध रजिस्टर का निरीक्षण कर प्रभारी निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए एसपी ने नगर क्षेत्र में सड़क पर पैदल भ्रमण किया एसपी ने आवास विकास पुलिस चौकी चौकी का निरीक्षण किया और चौकी प्रभारी को साफ सफाई के निर्देश दिए पुलिस अधीक्षक के कड़े रुख को देखकर रिश्वतखोर थाना प्रभारी चार्ज छिन जाने की आशंका व्याप्त हो गई है उनकी रोजाना की लापरवाही की कार्यशैली में आज सक्रियता देखी गई

Jhulan Goswami joins MCC's World Cricket Committee, these two England players also got big honors

MCC World Cricket Committee Jhulan Goswami Eoin Morgan Heather Knight Indian women's team veteran Jhulan Goswami has been included in the MCC World Committee. Apart from them, two England players Heather Knight and former captain Eoin Morgan have also been made part of this meeting. The club itself has informed about this. Indian women's team veteran Jhulan Goswami has been included in the MCC World Committee. Apart from them, two England players Heather Knight and former captain Eoin Morgan

have also been made part of this meeting. The club itself has informed that the WCC meeting is to be held on the coming Monday and Tuesday at the Lord's cricket ground before the Ashes Test match. At the same time, former England captain Alastair Cook has resigned from this committee to focus on his last few years of first-class. Jhulan Goswami and two England players joined the MCC World Cricket Committee Welcoming Jhulan Goswami, Heather and Oen, former English batsman Mike Gatting, chairman of the World Cricket Committee, said, "We are very excited to welcome Jhulan, Heather and Morgan to the World Cricket Committee. All these three players have played international cricket at the highest level and have always been at the top there. This cricketing knowledge of her will greatly benefit our cricket committee." He further said that it is necessary that the representation and participation of women in the committee is increasing. Due to this, the thinking of women's cricket is also developing. Jhulan, Heather, Suzy and Connor's respective experience and perspective will give the committee a different height to women's cricket. Let us tell you that Jhulan is a former cricketer of the Indian women's team, who retired from international cricket last year. He played his last ODI against England at Lord's, where he was given a grand farewell. Jhulan took a total of 300 wickets in white ball cricket and 44 wickets in 12 Test matches. Jhulan was one of the fastest bowlers of the Indian women's team. This year she was also made an Honorary Life Member of the MCC. On the other hand, if we talk about Knight, who has been captaining the team since 2016 and won the ICC Women's World Cup at Lord's only a year after taking up the role. The all-rounder has been one of the greats of the women's game in England, having scored over 5,000 international runs in white-ball cricket, scoring 705 runs in her 10 Test appearances. In addition, Morgan is the highest run scorer for England in ODI cricket with only 7,000 runs. He captained England brilliantly in both ODI and T20 cricket. MCC World Cricket Committee Members – Mike Gatting (Chief), Jamie Cox, Suzie Bates, Claire Connor, Kumar Dharmasena, Sourav Ganguly, Jhulan Goswami, Heather Knight, Justin Langer, Oyen Morgan, Rameez Raja, Kumar Sangakkara, Graeme Smith, Ricky Skerritt

Big update regarding World Cup, all matches will be played in these 12 cities

The excitement of the ICC World Cup 2023 is on the rise. After a long time, India is all set to host the 50-over World Cup. It is believed that the ICC is going to announce the schedule of the tournament soon. Meanwhile, big news has come to the fore regarding the venue of the World Cup to be played on Indian soil. Actually, the names of those 12 cities have been revealed, where all the World Cup matches are to be played. All the matches will be played in these 12 cities – All the World Cup 2023 matches of ICC Hyderabad, Chennai, Bengaluru,

Mumbai, Will be played in Lucknow, Delhi, Ahmedabad, Pune, and Dharamshala. It Guwahati, Kolkata first match of the is believed that the played between tournament will be England and New defending champions will be hosted by the Zealand. The match Cricket Stadium in Narendra Modi Ahmedabad. India-Pakistan clash may happen on October 15 – According to the schedule drafted by the BCCI for the ICC World Cup 2023, the mega-match between India and Pakistan will be played on October 15. Both the teams can take the field against each other at the Narendra Modi Cricket Stadium. However, the Pakistan Cricket Board (PCB) has expressed its desire not to play in Ahmedabad. The PCB says that it wants to play at this stadium in Gujarat only when the match is a knockout. The title match had crossed all limits of excitement and England had broken New Zealand's dream of becoming champions. The scores of both the teams were tied, after which the final match reached the super over. Although, the score of England-New Zealand was equal even in the super over, but due to hitting more boundaries in the match, the English team was declared the winner.

4,6,4,6,6,4...hit 30 runs in the super over, then did wonders with the ball as well, West Indies lost to Logan van Beek alone

Logan van Beek Super Over NED vs WI In match 18 of the ICC World Cup Qualifier, Netherlands beat West Indies in Super Over. Logan van Beek, performing brilliantly, hit 30 runs with the bat in the super over. After this, Beek also showed his skills in bowling and

sealed the historic victory of the Netherlands by spending just eight runs. Netherlands star all-rounder Logan van Beek has shown that charismatic performance on the field of Harare, which will be written in golden letters in the history of cricket. In the Super Over, the West Indies team lost not to the Netherlands, but to Van Beek alone. The all-rounder first held the bat and blasted Jason Holder and smashed 30 runs in six balls. Beek then wreaked havoc with the ball and allowed the Caribbean batsmen to score just eight runs in the Super Over. Van Beek's storm in the Super Over-Jason Holder came to bowl for the Caribbean team in the Super Over. Van Beek was once again on strike for the Netherlands and he was given another chance to shine by luck. Beak hits the first ball that comes out of the holder's hand. After this, six on the second, four on the third and another six comes out of Van Beek's bat on the fourth ball. 20 runs were scored in 4 balls. While the Netherlands camp smelled of victory, the West Indies players were bewildered and upset. He ends the Super Over by hitting a six on the fifth ball of the over and hitting a four on the last ball. Total 30 runs come from the over and now West Indies had to score 31 runs to win. Wreaked havoc with the ball too- For the Caribbean team, Johnson Charles starts off with a six, but Van Beek spends just two runs in the next two balls after hitting the bat. On the fourth ball, Charles loses his wicket in an attempt to play a big shot. At the same time, on the very next ball, the holders are also made to walk. In this way, in the third super over of ODI history, the Netherlands team is successful in winning the match. The thrill of the last over - Actually, Netherlands needed 9 runs in the last over to win. The ball was in the hands of Alzarri Joseph from the West Indies side. Van Beek hit a four on the very first ball left by Joseph. With this four, the hopes of the Netherlands were also raised. Five runs were to be scored in the last five balls. However, Joseph spent only four runs including two wickets in the next five balls and the score was tied. . On behalf of the team, Nicholas Pooran played a century while batting brilliantly. In response, Teja Nidamanuru from the Netherlands scored 111 runs while batting brilliantly. At the same time, Logan van Beek hit 28 runs in 14 balls in the last over, due to which the Netherlands team was able to tie the score.

The most historic moment in the sports world, ICC World Cup 2023 trophy launched in space

ICC World Cup 2023 Trophy The ICC World Cup 2023 trophy has been launched. This is the first time that any sports trophy has been unveiled in space. BCCI Secretary Jai Shah shared this video by tweeting. The World Cup trophy will now go on a World Tour and in total the trophy will visit 18 countries. The ICC World Cup 2023 trophy to be played on Indian soil has been launched. The World Cup trophy has been unveiled in space. BCCI Secretary Jai Shah has sharing a video on his posted by Shah shows the Cup trophy launched - The has been launched into the history of any sport, to space in this way. The of 1,20,000 feet above the according to the video, the temperature of minus 65

given this information while Twitter handle. The video trophy being launched. World ICC World Cup 2023 trophy space. This is the first time in when the trophy has been sent trophy is unveiled from a height ground. Along with this, trophy has been launched in a degrees. At the end of the video, the trophy is seen landing at the Narendra Modi Cricket Stadium in Ahmedabad. Fans are liking this unique unveiling of the trophy on social media. Trophy will go on world tour - ICC World Cup trophy will now go on world tour. The trophy will be in India from June 27 to July 14. After this New Zealand will tour a total of 18 countries including Australia, PNG, West Indies, Pakistan. The arrival of the trophy back in India will be on September 4 and after that the trophy will remain here. The schedule of the World Cup will be announced soon - It is believed that the ICC may announce the schedule of the World Cup to be held in India on June 27. According to the draft schedule prepared by the BCCI, defending champions England will take on New Zealand in the first match of the tournament. India-Pakistan clash may happen on October 15 – According to the schedule drafted by the BCCI for the ICC World Cup 2023, the mega-match between India and Pakistan will be played on October 15. Both the teams can take the field against each other at the Narendra Modi Cricket Stadium. However, the Pakistan Cricket Board (PCB) has expressed its desire not to play in Ahmedabad. PCB says that they want to play in this stadium of Gujarat only when the match is of knockout.

Sreejita De's German wedding card went viral, told whether she will leave acting and shift abroad or not!

Sreejita De Wedding Famous small screen actress Sreejita De is going to tie the knot soon. She is all set to be the bride of her long time boyfriend Michael BP in Germany. His wedding card has also surfaced which is becoming quite viral on social media. Their wedding card is very beautiful. Model and actress Sreejita Dey needs no introduction. In a career spanning

16 years, he has won millions of hearts with his commendable performances on the small screen. These days the actress is in headlines for her marriage. She is about to tie the knot with her long time boyfriend Michael BP. That's why the couple will marry with both the customs. The first marriage will be according to German customs. At present, Sreejita is in Germany with her family and she has a German wedding on July 1, 2023. Sreejita De's wedding card- Recently, Sreejita De's wedding card has come to the fore, which is becoming very viral on social media. . Simple and elegant invitation card includes every detail of the wedding day. According to the card, there will be a traditional ceremony in the Church of Germany at 3 o'clock. Their cocktail and dinner party will be held at 5 pm. However, before the traditional wedding, Sreejita and Michael will legally become husband and wife of each other. Both will do legal wedding on 30 June 2023. Will Sreejita Dey leave acting after marriage?- Ever since Sreejita Dey's marriage is fixed, there is a question in everyone's mind that will she leave acting and shift to Germany? On Monday, the actress responded by sharing a video on her Instagram account. In the video, the actress is seen wearing a lehenga-choli. The caption of the video reads, 'Everyone is asking- will you shift to Germany after marriage?' On this, she is seen dancing and saying no-way. So you must have come to know from this video of Sreejita that she will not shift to Germany and will continue her acting career by staying in India. Sreejita Dey's TV Shows- The 33 year old actress started her career in 2007 with 'Kasauti' Did it from Zindagi Ki. After this he worked in daily soaps like 'Ladies Special', 'Mile Jab Hum Tum', 'Tum Hi Bandhu Sakha Tumhi' and 'Piya Rangrezz'. She got the most popularity from the role of Mukta in 'Utran'. She has also appeared in 'Bigg Boss 16'.

Apart from Avinash-Palak, ex-lovers have clashed with each other in reality show

Bigg Boss OTT 2 In season 2 of Salman Khan's show Bigg Boss OTT, ex-couple Avinash Sachdev and Palak Purswani's fight started on the stage itself. Even after going inside the house, both were seen taking out fiercely on each other. By the way, even before these, there are many ex-couples who together became a part of different reality shows in the same season. Bigg Boss OTT season 2 started with a bang. From the very first week, the contestants have started showing their colors in this reality show. In the very first week, two contestants have said goodbye to this controversial show. We have seen many times when there is enmity in Bigg Boss house, but many times in this show, ex-couples also have to face each other. Something similar was seen in this season as well, where Avinash Sachdev and Palak Purswani had to spend a week under the same roof after a year and a half of breakup. Tu-tu, main-main were also seen between the two. However, now Palak is evicted from the show and Avinash is inside the house. Let us tell you that Palak and Avinash are not the only couples in this list who have come face to face with each other. Even before this, in many reality shows, ex-couples have taken out fiercely on each other. So let's see the list - Shefali Jariwala - Siddharth Shukla - Siddharth Shukla was the most popular contestant of Bigg Boss season 13. However, in this season, Siddharth had not one, but two ex-girlfriends in front of him. If reports are to be believed, Siddharth Shukla and Shefali Jariwala dated each other many years ago. When both came as contestants in Bigg Boss house, both were very welcoming towards each other. Vishal Singh-Madhurima Tuli- Vishal Aditya Singh and Madhurima Tuli dated each other for almost 1 year. Their relationship did not end on a good note. Both these ex-couples faced each other in Bigg Boss season 13. There was a fierce fight between the two in the show. In the show, this ex-couple lashed out at each other. Madhurima was even evicted from the house for beating Vishal Aditya Singh with a frypan. Delnaaz Irani-Rajiv Paul- Delnaaz Irani was seen in Bigg Boss season 6. Apart from her, her ex-husband Rajeev Paul also participated in this season. Let us tell you that Delnaaz and Rajeev came to Bigg Boss house after their relationship ended. Where there was a lot of tu-tu, main-main between the two. Siddharth Shukla-Rashmi Desai- Not only Shefali Jariwala was seen in Bigg Boss season 13 with Siddharth Shukla, but Rashmi Desai also participated in this season. Had taken. According to the reports, the closeness between the two increased during the shooting of 'Dil Se Dil Tak', but there was a fight between the two on the sets of the same show. Even in Bigg Boss house, both did not like each other and Siddharth-Rashmi quarreled throughout the season. After that both appeared in Nach Baliye 9. However, even after convincing the judges, both could not give their relationship a second chance and they parted ways. Ali Goni-Natasha Stankovic- Ali Goni and Natasha Stankovic dated each other for almost 1 year. If reports are to be believed, both of them had parted ways due to cultural differences. Both of them also participated in Nach Baliye. However, the two now have a cordial relationship.

After becoming parents, Shoaib and Deepika shared the first picture, fans said - Nazar Na Lage

Shoaib And Dipika After Ram Charan and Upasana, Deepika and Shoaib's house also echoed in the industry. The couple became parents of a son on 21 June. The actor had informed about this on social media. Although the baby is still in the incubator. On Sunday evening, this couple shared the health update of their child. At the same time, Shoaib has shared a photo of himself and Deepika. TV's most popular couple Shoaib Ibrahim and Dipika Kakar's house has been buzzing lately. Deepika gave birth to a son early in the morning of 21 June. Deepika and Shoaib's son has been kept in an incubator. On Sunday evening, this couple shared the health update of their child. At the same time, Shoaib has shared a photo of himself and Deepika. Shoaib shared a special photo – Shoaib Ibrahim and Dipika Kakkar are on cloud nine after becoming parents. In such a situation, now this couple has shared a photo on their Instagram, in which both are seen getting cozy. This shortly after the couple became parents. Wrote in the caption of this beautiful photo, 21-06-2023 and the journey of becoming parents begins. Celebs congratulated- TV actress Gauhar Khan wrote on this congratulations. Apart from this, Alisha Pawar wrote, @shoaib2087 @ms.dipika Congratulations to both of you.. God bless you all.. May you both be very happy. Apart from this, many fans have congratulated him. A fan wrote, many many MashaAllah bad nazar na lage.- congratulations. Another fan wrote, update- In his latest vlog, the actor Shoaib and Deepika gave son's health He has also told that Deepika has had gave many details about his dear son. He further said that their baby is in a C-section and her son is pre-mature. a day to see him. Shoaib Ibrahim and an incubator and they visit him twice after becoming parents. In such a Dipika Kakkar are on cloud nine a photo on their Instagram, in which situation, now this couple has shared picture is shortly after the couple both are seen getting cozy. This of this beautiful photo, 21-06-2023 became parents. Wrote in the caption begins. Celebs congratulated- TV and the journey of becoming parents post, congratulations. Apart from this, actress Gauhar Khan wrote on this @ms.dipika Congratulations to both of you.. God bless you all.. May you both be very happy. Apart from this, many fans have congratulated him. A fan wrote, many many congratulations. Another fan wrote, MashaAllah bad nazar na lage.- Shoaib and Deepika gave son's health update- In his latest vlog, the actor gave many details about his dear son. He has also told that Deepika has had a C-section and her son is pre-mature. He further said that their baby is in an incubator and they visit him twice a day to see him.